DEPARTMENT OF SANSKRIT

SCHOOL OF LANGUAGES

Syllabus

Curriculum Framework

U.G. Classes

Based on National Education Policy - 2020

Date of BoS : 19.09.2022

2022-2023

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya

(A central University)

Sagar – Madhya Pradesh - 470003

B.A. Honors. Sanskrit

Under graduate Curriculum Framework (Suggestive Guidelines)

Level	Sem	Nature of theCourse	Course Code	CourseTitle	Credits
L5 **Entry**	I	Discipline Specific :Major-1	SAN-DSM-111	संस्कृत साहित्य (पद्यकाव्य)	6
		Multi-Disciplinary : Major-3	SAN -MDM-111	नीति साहित्य	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN -AEC-111	उपनिषद् तथा श्रीमदभगवद् गीता	2
		Skill EnhancementCourse (SEC)	SAN -SEC-111	संस्कृत साहित्य	2
		Value EnhancementCourse (VEC)	SAN -VEC-111		
					22
	II	Discipline Specific :Major-4	SAN-DSM-211	संस्कृत साहित्य (गद्यकाव्य)	6
		Multi-Disciplinary:Major-6	SAN-MDM-211	संस्कृत व्याकरण	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN-AEC-211	व्याकरण तथा अनुवाद	2
		Skill EnhancementCourse (SEC)	SAN-SEC-211	व्याकरण तथा रचना	2
		EXIT With Certificate			**44**

The Ability Enhancement Course (AEC) and / or Skill Enhancement Course (SEC) will berelevant to the Disciplinary Specific Major (s).

B.A. Honors. Sanskrit

Under graduate Curriculum Framework (Suggestive Guidelines)

Level	Sem	Nature of the Course	Course Code	CourseTitle	Credits
L6 **Entry**	III	Discipline Specific : Major-1	SAN-DSM-311	संस्कृत साहित्य (नाट्यकाव्य)	6
		Multi-Disciplinary : Major-3	SAN -MDM-311	काव्य तथा साहित्यिक आलोचना	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN -AEC-311	प्राचीन लिपि और पठन कौशल	2
		Skill Enhancement Course (SEC)	SAN -SEC-311	अभिनय तथा पटकथा लेखन	2
		Value Enhancement Course (VEC)	SAN -VEC-311	चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास	2
					22
	IV	Discipline Specific : Major-4	SAN-DSM-411	आधुनिक संस्कृत काव्य	6
		Multi-Disciplinary: Major-6	SAN-MDM-411	संस्कृत छन्द और संगीत	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN-AEC-411	वैश्विक संदर्भ में संस्कृत साहित्य	2
		Skill Enhancement Course (SEC)	SAN-SEC-411	प्राचीन भारतीय राजनीति	2
					44
		EXIT With UG Diploma			**88**

The Ability Enhancement Course (AEC) and / or Skill Enhancement Course (SEC) will berelevant to the Disciplinary Specific Major (s).

B.A. Honors. Sanskrit

Under graduate Curriculum Framework (Suggestive Guidelines)

Level	Sem	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L7 **Entry**	V	Discipline Specific :Major-1	SAN-DSM-511	Vedic Literature वैदिक साहित्य	6
		Multi-Disciplinary : Major-3	SAN -MDM-511	तर्क और वादविधि की भारतीय प्रणाली	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN -AEC-511	संस्कृत व्याकरण	2
		Skill Enhancement Course (SEC)	SAN -SEC-511	संतुलित जीवन की कला	2
		Value Enhancement Course (VEC)	SAN -VEC-511	नाट्य तथा अभिनय	Qualifying
					22
	VI	Discipline Specific :Major-4	SAN-DSM-611	भारतीय तत्त्वमीमांसा तथा ज्ञान मीमांसा	6
		Multi-Disciplinary: Major-6	SAN-MDM-611	संस्कृत रचना तथा संभाषण	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	SAN-AEC-611	संस्कृत भाषा विज्ञान	2
		Skill Enhancement Course (SEC)	SAN-SEC-611	आयुर्वेद के मूलतत्त्व	2
		Value Enhancement Course (VEC)	SAN -VEC-611	संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना	Qualifying
		EXIT With UG (BA)			**132 Credits**

B.A. Honors. Sanskrit

The Ability Enhancement Course (AEC) and / or Skill Enhancement Course (SEC) will berelevant to the Disciplinary Specific Major (s).

Year / Semester	Nature of the Course	Courses		Credits
L 8 4th Year SEM -VII	Discipline Specific : Major-1	SAN- DSM-711	वैदिक साहित्य एवं आख्यान	06
	Discipline Specific: Major-2	SAN- DSM-712	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	06
	Multi-Disciplinary : Major-3	SAN-MDM-711	दर्शन	06
	Skill Enhancement Course (SEC)	SAN-SEC-711	व्याकरण तथा भाषा विज्ञान	04
				22
SEM -VIII	Discipline Specific : Major-1	SAN- DSM-811	महाकाव्य	06
	Discipline Specific: Major-2	SAN - DSM-812	गद्य तथा चम्पू काव्य	06
	Multi-Disciplinary : Major-3	SAN -MDM-811	नाट्यशास्त्र एवं नाटक	06
	Skill Enhancement Course (SEC)	SAN -SEC-811	भारतीय काव्यशास्त्र	04
				22
Exit with PG Diploma			Total Credits	44

B.A. Honors. Sanskrit

B.A. Sanskrit (NEP)

Semester- I

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	
SAN	DSM	111	Classical Sanskrit Literature (Poetry) संस्कृत साहित्य (पद्यकाव्य)	5	1	0	06

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

इस पाठ्यक्रम से संस्कृत महाकाव्य , गीतिकाव्य के साथ प्रमुख संस्कृत कवियों के विषय में जानकारी प्राप्त होगी तथा रघुवंश महाकाव्य के प्रथम सर्ग से रघुवंशीय राजाओं का परिचय प्राप्त होगा | शिशुपाल–बध के प्रथम सर्ग से आतिथ्य सत्कार आदि का ज्ञान होगा | कुमारसंभवम महाकाव्य के पंचम सर्ग में वर्णित पार्वती द्वारा शिव की प्राप्ति का प्रयास तथा उनके भक्ति का परिचय प्राप्त होगा , वहीं किरातार्जुनियम महाकाव्य से वनेचर और युधिष्ठिर के संवाद के साथ राजधर्म के विविध पक्षों का परिचय प्राप्त होगा | नीतिशतक से नीतिवचनों का वैशिष्ट्य प्रकट होगा और विद्यार्थियों में विषयगत परिचर्चा का व्यवहार विकसित होगा ।

इकाई I - महाकाव्य एवं गीतिकाव्य का उद्भव एवं विकास (L-18)

इकाई II - रघुवंशम् – प्रथम सर्ग (श्लोक 1-25) (L-18)

इकाई III - कुमारसंभवम् – पञ्चम सर्ग (श्लोक 1-25) (L-18)

इकाई IV - किरातार्जुनीयम् – प्रथम सर्ग (श्लोक 1-25) (L-18)

इकाई V - गीतगोविन्द (प्रथम सर्ग) (L-18)

नोट- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

ग्रन्थ-

1. रघुवंशम्, पं. शेषराज शर्मा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. कुमारसंभवम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
3. किरातार्जुनीयम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. नीतिशतकम्, डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. गीतगोविन्द ,चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस ,वाराणसी
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

B.A. Honors. Sanskrit

Semester- I

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	C
SAN	MDM	111	Niti Literature नीति साहित्य	6	0	0	06

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

इस पाठ्यक्रम में नीति साहित्य के परिचय के साथ पंचतन्त्र, भामिनीविलास , हितोपदेश और त्त्वो का नीतिशतक के नीति तत्तों से का बोध होगा। पंचतंत्र और हितोपदेश की कथाओं से जीवन व्यवहार की शिक्षा प्राप्त होगी और विद्यार्थियों का व्यक्तित्त्व विकास होगा | उनमें परिचर्चा का व्यावहार विकसित होगा ।

इकाई I - संस्कृत साहित्य में नीति साहित्य का सामान्य परिचय- (L-18)

इकाई II - पंचतंत्र - क्षपणककथा, शसह-कारक-मूर्खब्राणकथा, मूर्ख पंडित -कथा, वानर-मकरमच्छकथा तथा गंगदत्तमण्डूककथा (L-18)

इकाई III - भामिनी विलास (1-50 श्लोक) (L-18)

इकाई IV - हितोपदेश मित्रलाभ (1-50 श्लोक) (L-18)

इकाई V - नीतिशतक (1-50 श्लोक) (L-18)

नोट- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

ग्रन्थ-

1. पंचतन्त्र, श्यामाचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
2. हितोपदेश, विश्वनाथ शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
4. नीतिशतकम ,डा.राजेश्वर शास्त्रीय मुसलगावकर, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास ,राधावल्लभ त्रिपाठी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी

B.A. Honors. Sanskrit

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	C
SAN	AEC	111	Upanshad and shrimadbhagwatgeeta उपनिषद् तथा श्रीमद्भगवतगीता	2	0	0	02

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

उपनिषद तथा श्रीमद्भगवतगीता पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में आध्यात्मिक विचारों का उन्नयन होगा। ईशावास्योपनिषद आदि से उपनिषदों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा। भक्ति भावना की प्रेरणा के साथ-साथ जीवन में कर्म के महत्व को जानते हुए कर्म को सत्कर्म बनाने की इच्क्षा जागृत होगी। विद्यार्थी ' योग: कर्मसु कौशलम् ' गीता की इस उक्ति के अनुसार विश्व विख्यात योग के महत्त्व से अवगत होंगे।योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रेरणा प्राप्त होगी तथा उनके व्यक्तितत्व का विकास होगा |

इकाई I - उपनिषदों का सामान्य परिचय (L-06)

इकाई II - ईशावास्योपनिषद् (L-06)

इकाई III - श्रीमद्भगवद् गीता, अध्याय-2- श्लोक 1 – 35 (L-06)

इकाई IV - श्रीमद्भगवद् गीता अध्याय-2- श्लोक 36 – 72 (L-06)

इकाई V - उपनिषद तथा श्रीमद्भगवद् गीता में आत्मा का स्वरूप (L-06)

नोट- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

ग्रन्थ-

1. वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय , मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
2. ईशादि नौ उपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर।
3. श्रीमद्भगवद् गीता, गीता प्रेस गोरखपुर।
4. संस्कृत साहित्य का प्रमाणिक इतिहास, डा. रमाशंकर त्रिपाठी चौखम्भा विद्याभवन ,वाराणसी
5. संस्कृति सौरभम रामजी उपाध्याय , सागर विश्वविद्यालय ,सागर
6. वैदिक साहित्य का इतिहास , डा.राजेश्वर शास्त्रीय मुसलगावकर, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी
7. हिन्दू संस्कार ,डा. राजबली पाण्डेय .चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

B.A. Honors. Sanskrit

Semester- I

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	C
SAN	SEC	111	Sanskrit Literature संस्कृत साहित्य	2	0	0	02

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

इस पाठ्यक्रम से संस्कृत महाकाव्य ,गद्य काव्य, नाट्य साहित्य और नीति साहित्य से संबंधित विभिन्न महत्त्पूर्ण ग्रंथों के अध्ययन से विद्यार्थियों का परिचय होगा इन विभिन्न विधाओं के ग्रंथों में निहित जीवन मूल्य , भारतीय संस्कृति , युग चेतना , राष्ट्रीय बोध के साथ ही विभिन्न विधाओं के कलात्मक ज्ञान से विद्यार्थी का न केवल परिचय होगा वरन् वह साहित्यिक दृष्टि से अपने ज्ञान को समृद्ध कर पाएगा ।उसके व्यक्तित्व विकास में भी इन ग्रंथों के अध्ययन व अनुशीलन से लाभ होगा |

इकाई I - संस्कृत महाकाव्यों (रघवंश, बुध्दचरितं, नैषधीय चरित,शिशुपलबध) का सामान्य परिचय (L-06)

इकाई II - संस्कृत गद्य काव्य (वासवदत्ता ,दशकुमारचेरित,कादम्बरी और शिव राजविजयम) (L-06)

इकाई III - संस्कृत नाटय साहित्य् (अभिज्ञानशाकुंतल , उत्तररामचरित, मृच्छकटिक ,मुद्राराक्षस) का सामान्य परिचय (L-06)

इकाई IV - संस्कृत नीतिकाव्य का इतिहास – कथासरित्सागर, पंचतंत्र, हितोपदेश, चाणक्यनीति।(L-06)

इकाई V - नीतिशतक - 1-25 श्लोक (L-06)

नोट- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से **अध्ययन आवश्यक** है|

ग्रन्थ-

1. पंचतन्त्र, श्यामाचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
2. हितोपदेश, विश्वनाथ शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
4. चाणक्यनीति, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
5. नीतिशतकम ,डा.राजेश्वर शास्त्रीय मुसलगावकर, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास , विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी

B.A. Honors. Sanskrit

Semester- II

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	C
SAN	DSM	211	Classical Sanskrit Literature (Prose) संस्कृत साहित्य (गद्यकाव्य)	5	1	0	06

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

साहित्य के इतिहास में संस्कृत गद्य लेखन की परंपरा और उसके साहित्य का विशेष महत्त्व है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को संस्कृत गद्य साहित्य और गद्य शैली तथा गद्य भाषा का ज्ञान होगा।जीवन के संघर्ष में गुरु उपदेश और लक्ष्मी की चंचलता से होने वाले परिवर्तन से विद्यार्थी परिचित होगा।इस विषय पर विचार विमर्श के द्वारा चिंतन के नए आयाम विकसित होंगे।

इकाई I - संस्कृत गद्यकाव्य का उद्भव एवं विकास (L-18)

इकाई II - शुकनासोपदेश – गद्य की व्याख्या (L-18)

इकाई III - दशकुमारचरित (विश्रुतचरितम्)- 1-15 पैराग्राफ व्याख्या (L-18)

इकाई IV - दशकुमारचरित (विश्रुतचरितम्द्)- पैराग्राफ समीक्षात्मक प्रश्न (L-18)

इकाई V - शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास) (L-18)

नोट- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

ग्रन्थ-

1. कादम्बरी, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
2. दशकुमारचरित, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. दशकुमारचरितम्(अष्टमोच्छवास) सत्यम् पब्लिकेशन, दिल्ली।
5. शुकनाशोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6. शिवराजविजयम्, प्रथम निःश्वास, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।
7. शुकनाशोपदेश, बाणभट्ट, संपादक- चन्द्रशेखर, द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

B.A. Honors. Sanskrit

Semester- II

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	C
SAN	MDM	211	Sanskrit Grammar संस्कृत व्याकरण	5	1	0	06

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

यह सर्वविदित है कि संस्कृत भाषा सृष्टि की प्रथम भाषा तथा ईश्वरीय वाणी है। 'संस्कृतं नाम दैवी वाक्' इसे देवभाषा के रूप में देवत्व प्राप्त हैं । उस भाषा को जानना—मानना और समझना सृष्टि में उत्पन्न समस्त मनुष्यों का कर्तव्य है। उस भाषा को हस्तामलकवत् जानने के लिये संस्कृत व्याकरण सर्वोत्तम माध्यम है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को व्याकरण की सूक्ष्मगत विषेषताओं का , प्रकृति, प्रत्यय, समास, सन्धि, कारकों का भलीप्रकार ज्ञान कराया जाता है जिससे वे संस्कृत भाषा के धरातल पर टिक सकें।

इकाई I - शब्दरूप- अकारान्त, इकारान्तं, उकारान्त, ऋकारान्त।

राम, मुनि, गुरू, पितृ।

हलन्त शब्दरूप- आत्मन्, दण्डिन्, चन्द्रमस्।

स्त्रीलिंग शब्दरूप – आकारान्त, इकारान्त, ईकारान्त, ऊकारान्त, ऋकारान्त। रमा, मति, कुमारी तथा मातृ।

हलन्त- वाक्, सरित्।

नपुंसकलिंग – अकारान्त, इकारान्त, उकारान्त। फल, वारि, मधु।

हलन्त- पयस्, जगत्।

सर्वनाम शब्दरूप – अस्मद्, युस्मद्, तद्, यद्, इदम्, एतद्, किम्।

संख्यावाचक शब्द – एक से दश तक। धातुरूप – पठ्. पच्, भू, कृ, अस्. नृत्, श्रु. ज्ञ. (लट्, लृट्, लङ्, लोट्, विधिलिङ् लकार) (L-18)

इकाई II - अच् सन्धि – यण्, गुण, दीर्घ, अयादि, वृद्धि तथा पूर्वरूप।(L-18)

इकाई III - हल् सन्धि – श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व तथा जश्त्व। (L-18)

इकाई IV - विसर्ग सन्धि – उत्व, लोप, सर्व, रुत्व। (L-18)

इकाई V - अनुवाद शिक्षण- हिन्दी से संस्कृत तथा संस्कृत से हिन्दी(केवल कतृवाच्य)

(L-18)

सूत्र- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

ग्रन्थ-

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका। चक्रधर नौटियाल।
3. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, इलाहाबाद।
4. अप्रचलित गत्यर्थक धातुनां प्रयोगः, डॉ. किरण आर्या, कैलाश पब्लिकेशन, सागर मप्र।

B.A. Honors. Sanskrit

Semester- II

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	C
SAN	AEC	211	Grammar and Translation व्याकरण तथा अनुवाद	2	0	0	02

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के द्वारा संस्कृत के विद्यार्थियों को संस्कृत व्याकरण के ज्ञान के साथ ही संवाद कौशल एवं अनुवाद कला का ज्ञान होगा । विद्यार्थी संधि ,समास ,प्रत्यय आदि के ज्ञान में निपुण होंगे। भाषा और संस्कृत व्याकरण से संबंधित ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी का ज्ञानवर्धन होगा। व्याकरण और अनुवाद कला की जानकारी उसके रोजगार के लिए फलदाई सिद्ध होगी।

इकाई I - संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार) (L-06)

इकाई II - समास। (लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार) (L-06)

इकाई III - विभक्त्यर्थ प्रकरण।(लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार) (L-06)

इकाई IV - रचना - संस्कृत अनुवाद (L-06)

इकाई V - रचना - संस्कृत निबन्ध (L-06)

सूत्र- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

ग्रन्थ-

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका। चक्रधर नौटियाल।
3. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. संस्कृत प्रवेशिका, डॉ. सुदर्शनलाल जैन, वाराणसी।
5. संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललितकुमार मण्डल, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली।
6. अनुवाद चंद्रिका, डॉ. यदुनन्दन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
7. निबन्ध शतक, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

B.A. Honors. Sanskrit

Semester- II

Couese Code			Course Title	Course wise class			Credit
				L	T	P	C
SAN	SEC	212	Grammar and Composition व्याकरण तथा रचना	2	0	0	02

पाठ्यक्रम : उद्देश्य और परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के द्वारा संस्कृत के विद्यार्थियों को संस्कृत व्याकरण के ज्ञान के साथ ही संवाद कौशल और अनुवाद कौशल का ज्ञान होगा। विद्यार्थी संधि ,समास ,प्रत्यय आदि के ज्ञान में निपुण होंगे। भाषा और संस्कृत विषय से संबंधित ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी का ज्ञानवर्धन होगा। व्याकरण और अनुवाद कला की जानकारी उसके रोजगार के लिए फलदाई सिद्ध होगी।

इकाई I - वैयाकरणों का सामान्य परिचय (लघुसिद्धान्त कौमुदी) (L-06)

इकाई II - सन्धि (लघुसिद्धान्त कौमुदी) (L-06)

इकाई III - समास (लघुसिद्धान्त कौमुदी) (L-06)

इकाई IV - कृत् प्रत्यय – त्वा) तुमुन, ल्यरप़ तव्य ़त अनीयर (लघुसिद्धान्त कौमुदी) (L-06)

इकाई V - संस्कृत अनुवाद (L-06)

सूत्र- व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न की दृष्टि से अध्ययन आवश्यक है

ग्रन्थ-

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका। चक्रधर नौटियाल।
3. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. संस्कृत प्रवेशिका, डॉ. सुदर्शनलाल जैन, वाराणसी।
5. संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललितकुमार मण्डल, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली।
6. अनुवाद चंद्रिका, डॉ. यदुनन्दन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
7. निबन्ध शतक, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,

B.A. Honors. Sanskrit